NCERT SOLUTIONS

CLASS - 11th



aglasem.com

Class : 11th
Subject : History
Chapter : 6
Chapter Name : तीन वर्ग

Q1 फ्रांस के प्रारंभिक सामंती समाज के दो लक्षणों का वर्णन कीजिए।

Answer. रोमन साम्राज्य के प्रांत गॉल को जर्मनी की एक जनजाति फ्रैंक ने अपना नाम देकर उसे फ्रांस बना दिया। छठी सदी में यह प्रदेश फ्रांस के ईसाई राजाओं द्वारा शासित राज्य बन गया। आगे है प्रदेश तीन वर्गों में विभाजित हुआ जिसमें प्रथम वर्ग पादरियों का औरत द्वितीय वर्ष अभिजात लोगों का था। बड़े भू-स्वामी और अभिजात्य वर्ग राजा के अधीन होते थे, जबकि कृषक भू स्वामियों के अधीन थे। अभिजात वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त थे। दास-प्रथा का प्रचलन था। तीसरा वर्ग स्वतंत्र जनता, कृषकों, बंधकों और डासों का था।

Page : 151 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q2 जनसंख्या के स्तर में होने वाले लंबी-अवधि के परिवर्तनों ने किस प्रकार यूरोप की अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित किया?

Answer. यूरोप की जनसंख्या में 1000ई से 1300 ई के मध्य काफी बढ़ोत्तरी हुई। जो 420 लाख से बढ़कर 720 लाख हो गई विकसित कृषि संसाधनों से विकास से पुनः नगरों का निर्माण होने लगा। कृषकों के पास अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन की क्षमता थी, जिससे व्यापार की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला। धीरे-धीरे नगरों के लक्षण विकसित होने लगे। सड़कें, चौक, चर्च, दुकानों आदि का निर्माण होने लगा। इससे लॉर्ड के प्रभाव में भी कमी आई। पता जनसंख्या विस्तार से नगरों की भूमिका को बल मिला और सामंती प्रभाव धीरे धीरे क्षीण होने लगे। आगे नगरों की जनसंख्या बढ़ी और वकीलों, साहूकारों, छोटे व्यापारियों आदि ने अपना एक पृथक वर्ग बना लिया जिसे चौथे वर्ग के रूप में चिन्हित किया गया।

Page : 151 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q3 नाइट एक अलग वर्ग क्यों बने और उनका पतन कब हुआ?

Answer. नाइट मुख्यतः लॉर्ड के आश्रित होते थे। नाइट, लॉर्ड से उसी प्रकार संबंधित थे जिस प्रकार लॉर्ड राजा से। इन्हें भी विशेषाधिकार प्राप्त थे और इनकी खेतों की जुताई बंधक या दास किया करते थे। जिस से प्राप्त होने वाले कर की मोटी रकम यह लॉर्ड को दिया करते थे। इन को दी जाने वाली जमीन को फ़ीफ़ कहा जाता था। यह उत्तराधिकार में हस्तांतरित की जा सकती थी ।12वीं सदी की शुरुआत से इनका पतन शुरू हो गया था।

Page : 151 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q4 मध्यकालीन मठों का क्या कार्य था?

Answer. फ्रांस के सामंती समाज में प्रथम स्थान पर आने वाले चर्च के पादरियों के अलावा कुछ विशेष ईसाई श्रद्धालु दूसरी संस्था के थे।वे जिन धार्मिक समुदायों में रहते थे उन्हें ऐबी या मोनेस्ट्री या मठ कहते थे। मठों का निर्माण अधिकतर मनुष्य की आबादी से दूर होता था। इसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों ही शामिल थे। पुरुषों को मोंक

तथा स्त्रियो को मठ मेन नन कहा जाता था। आगे यह समुदाय बढ़कर अनेक समुदायों में बंट, गए जिन्होंने इस दौर की संस्कृति, संगीत और कला के विकास में योगदान दिया। यह प्रायः एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूम घूम कर लोगों को उपदेश देते थे और दान से अपनी आजीविका चलाते थे। 14वीं शताब्दी तक आते-आते इन भिक्षुओं के।द्वारा मठों में पतनशील प्रवृत्तियों का समावेश होने लगा।

Page : 151 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q5 मध्यकालीन फ्रांस के नगर में एक शिल्पकार के एक दिन के जीवन की कल्पना कीजिए और इसका वर्णन कीजिए।

Answer. अध्याय में दिये गए एक विवरण से स्पष्ट होता है की फ्रांस में शिल्पकारों को विशेष सम्मान प्राप्त था। इनका मुख्य कार्य निश्चित रूप से तत्कालीन शिल्प के नमूनों का विकास और उनकी रक्षा से सम्बद्ध था इसके लिए उनको सरकारी संरक्षण भी प्राप्त था। यह प्रायः विविध क्षेत्रों के कुशल कारीगर होते थे, जिनका मुख्य कार्य चर्च की विशेष खिड़कियों की रंगाई-पुताई और उसके संरक्षण से संबन्धित था। ये खिड़कियाँ मूल्यवान सफ़ायर काँच की बनी होती थीं, जो अपने अनूठे निष्पादन के लिए प्रचलित थी। सरकारी शिल्पकार इनके संरक्षक हुआ करते थे। ये अपने वेतन के रूप में वेदिका पर चढ़ाये गए सिक्कों को और खाद्य पदार्थों के लिए अपने भाई बंधुओं पर निर्भर करते थे। उनका मुख्य उद्देश्य शिल्प नमूनों की सुरक्षा करना था।

अतः फ्रांस के शिल्पकर के एक दिन की कल्पना एक कुशल कलाकार और सजग प्रहरी के रूप में की जा सकती है।

Page : 151 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

Q6 फ्रांस के सर्फ़ और रोम के दास के जीवन की दशा की तुलना कीजिए।

Answer. फ्रांस और रोम के दास जीवन की तुलना करने पर कई तथ्य निकलकर सामने आते हैं। रोम में दास प्रथा का चलन फ्रांस से कहीं ज्यादा था। दासों के साथ यहाँ अमानवीय व्यवहार किया जाता था। रोम के उत्थान के साथ साथ दासों की दशा और खराब होती चली गई। यद्यपि चौथी शताब्दी तक ईसाई धर्म रोम का राज धर्म बन गया था उसके बाद भी दासों की स्थिति में कोई खास परिवर्तन देखने को नहीं मिलता है। अकेले औगस्टस के शासन काल में रोम की जनसख्या में आधे दास थे। इनकी संख्या में वृद्धि युद्धों का परिणाम थी, दासों में मुख्य रूप से युद्ध-बंधक शामिल थे। युद्ध कम होने से इनकी संख्या में कमी आई और रोम में दास-प्रजनन की प्रथा चली। आगे रोम में श्रमिक समाज की दो श्रेणियाँ बनी एक स्वतंत्र सेवक और दूसरे दास।

फ्रांस के दास निश्चित रूप से रोमन दासों की तुलना में पृथक थे और उनके साथ उनके मालिक का व्यवहार उतना कठोर नहीं था। यद्यपि श्रम उनके जीवन का आधार था। फ्रांस का समाज तीन वर्गों में पृथक था। जिसमें पादरी, अभिजात, और अन्य शामिल थे। दास पादरियों, अभिजातों, नाइटों और भिक्षुओं के अधीन हुआ करते थे। इंका मुख्य कार्य उपरोक्त वर्गों की जमीन पर खेती करना हुआ करता था। धीरे धीरे इस वर्ग ने फ्रांस में नगरों के निर्माण को अपनी स्वतन्त्रता का का माध्यम बनाया और फ्रांस में चौथे वर्ग का उद्भव हुआ।

Page : 151 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए